LOK SABHA

Saturday, August 17, 1963/*Sravana* 26, 1885 (*Saka*)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

World Health Assembly

\+

*91. **Shri Yashpal Singh:**
Shri Bishanchander Seth:
Shri Jena:

Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India participated in the 16th World Health Assembly in Geneva;

(b) how many other countries also participated and what subjects were discussed; and

(c) whether any proposal was put forward by the Indian Delegation?

The Deputy Minister in the Ministry of Health (Dr. D. S. Raju): (a) Yes.

(b) (i) 120.

(ii) A copy of the agenda discussed by the Assembly is placed on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-1457/63].

(c) Yes. A statement briefly summarising the proposals of the Indian Delegation is placed on the Table of the House. [*Placed in Library, See* No. LT-157/63].

श्री यशपाल सिंह : क्या मैं जान सकता हूं कि इस में इंडियन मेडिकल प्रैक्टीशनर्स असोसियेशन के कोई नुमायन्दे गये थे ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : जी नहीं ।

श्री यशपाल सिंह : वहां जो लोग भेजे गये हैं उन के भेजने का क्राइटैरिया क्या था और क्या वह सरकार की चुवाएस पर भेजे गये थे ?

डा० सुशीला नायर : यह लोग सरकार की चुवाएस पर भेजे जाते हैं और भेजे गये थे ।

Shri Warior: May I know whether the Government is taking any steps to implement those proposals and recommendations accepted by the World Health Assembly?

Dr. Sushila Nayar: The decisions of the Assembly are forwarded to all the member countries all over the world and to the extent they relate to us, we are, of course, trying to implement them.

Shri Sham Lal Saraf: May I know whether any attempts have been made so far or are contemplated to be made to learn the ways of solving the rural water supply problem and also the sanitation problem within the country?

Mr. Deputy-Speaker: That is a different question.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन से भारतवर्ष को जो आर्थिक सहायता प्राप्त होती है उस संबंध में भी इस सम्मेलन में कुछ विचार किया गया था, यदि हां, तो किस परिणाम पर पहुंचा गया ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, विश्व स्वास्थ्य संघ में हर एक देश एक हिसाब से पैसे देता है और उस देश में जो कार्यक्रम चल रहे हैं उन कार्यक्रमों की मदद के लिए कुछ इस तरीके से हिसाब लगा कर मदद दी जाती है। हमारे देश को उन से १९६० से जो मदद मिली है उसके फ्रीगर्स मेरे पास मौजूद हैं। कुछ तो रैगुलर फंड, कुछ ट्रेवल एकाउंटस फंड और कुछ मलेरिया इरैडिकेशन स्पेशल एकाउंटस फंड के मातहत सहायता हम लोगों को मिली है। पिछले साल में सन् १९६२ में ३८१५६४ डालर तो रैगुलर फंड में, ४९४९१३ डालर टी० ए० फंड में और २५५४९० डालर मलेरिया इरैडिकेशन स्पेशल एकाउंटस फंड में हमें मिले हैं।

डा० राम मनोहर लोहिया : क्या भारत ने विश्व स्वास्थ्य सम्मेलन को बताया कि हैजे, ताऊन और चेचक में प्रतिवर्ष क़रीब क़रीब २५–३० लाख लोग मरते हैं और जिस तरह विश्व स्वास्थ्य संघ ने सरदी बुखारको खत्म करने की कोशिश की और क़रीब क़रीब सफल हुए उसी तरीक़ से चेचक, हैजा और ताऊन को ख़त्म करने के लिए भी क्या उन्होंने कोई योजना बनाई है और मदद देने का प्रोग्राम बनाया है ?

डा० सुशीला नायर : जिस तरह से उन्होंने खांसी और बुखार को खत्म करने की कोशिश की है और वह कामयाब हुए हैं उसी तरीके से इस में भी कोशिश...

Some Hon. Members: He is talking about Malaria.

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, हिन्दुस्तान में मलेरिया इरैडिकेशन का प्रोग्राम दुनिया में सब से बड़ा प्रोग्राम इस वक्त है। जहां तक ताऊन का ताल्लुक है हिन्दुस्तान से ताऊन क़रीब क़रीब निकाला जा चुका है। कई साल से सिवाय चंद एक गांव हैं जहां कि यह अभी भी मौजूद है, मैसूर, आंध्र और मद्रास का एक ताल्लुका है, तीनों स्टेट की सीमा पर उस में प्लेग के कुछ चूहे पाये जाते हैं समय समय पर और उस फोकस को भी निकालने की कोशिश हो रही है। जहां तक चेचक का संबंध है हिन्दुस्तान में नेशनल इरैडिकेशन प्रोग्राम जोरों से चल रहा है। कई दूसरे देशों में भी चल रहा है और हैजे की रोक थाम का कार्यक्रम इसी प्रकार से चला है।

डा० राम मनोहर लोहिया : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का उत्तर नहीं मिला।

Mr. Deputy-Speaker: Order, order. Next Question.

Houses for Industrial Workers

\+

*92. **Shri Basumatari:**
Shrimati Renuka Barkataki:
Shri Yashpal Singh:
Shri Bishanchander Seth:
Shri Rameshwar Tantia:

Will the Minister of **Works, Housing and Rehabilitation** be pleased to state:

(a) whether Government have finally decided to provide a certain percentage of houses for industrial workers every year; and

(b) if so, the percentage for such allocation, the mode of allotment and the eligibility of the allottees?

The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Rehabilitation (Shri P. S. Naskar): (a) Government have not fixed any percentage of houses for industrial workers. They have, however, asked the State Governments to give high priority to the Subsidised Industrial Housing Scheme. About 1,35,000 houses have already been constructed under this Scheme till 31st March, 1963.

(b) Central assistance is allocated to the States every year on the basis of their programmes of construction